have been sanctioned to Orissa till 31.3. 1986. 24 more ICDS projects have been sanctioned during the current year, i.e. 1986-87. Monthly Progress Reports received from 51 projects, as on 30 September 1986, indicate that 44 projects have become fully operational. In these 51 projects, 2.85 lakh children and 0.60 lakh mothers were getting supplementary nutrition and 1.29 lakh children were attending pre-school education classes.

(b) During 1985-86, expenditure reported by the State Government against central grants was Rs. 305.52 lakhs. This excludes expenditure on nutrition, which is met partly by the State and partly from aid food and central assistance under centrally sponsored wheat-based nutrition programme.

(c) No, Sir.

Washing line project at Jaunpur, U.P.

215. SHRI KAPIL VERMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) when was the washing line project started at Jaunpur (U.P.) main railway junction;

(b) what was the total outlay and how much of it has been spent;

(c) the amount of work completed so far;

(d) whether the work has been held up for some time for lack of funds; and

(e) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The washing line project was started in the year 1983-84.

(b) The sanctioned cost of the work is Rs. 7.9 lakhs and expenditure of Rs. 50 lakhs has been incurred upto the end of year 1985-86;

(c) Over 90 per cent of the work has been completed.

(d) No, Sir.

Railway train between Jaunpur and Bombay

216. SHRI KAPIL VERMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to start a Mahanagri Express train between Jaunpur and Bombay to clear the heavy traffic on this route; and

(b) if so, by what time the new train is proposed to be started?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सरकारी अस्पतालों में नर्सों को प्रशिक्षण

217 श्री सूरज प्रसाद : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नर्सों को दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षण भी दिया जाता है और प्रशिक्षण की अवधि के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को पहले वर्ष 250 रु० प्रति मास और दूसरे और तीसरे वर्ष 300 रुपये प्रति माह की दर से वृत्तिका दी जाती है और उनसे भोजन का शुल्क अलग से वसूल किया जाता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन प्रशिक्षणार्थियों को इन अस्पतालों में मरीजों की देखभाल के लिए ड्यूटी पर भी लगाया जाता है और इससे सरकार को प्रति मास लाखों रुपयों की बचत होती है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार प्रशिक्षणार्थियों को देय वृत्तिका की राशि दुगुनी करने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी, हां।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार नर्सिंग छात्रों को तीन महीने के प्रारम्भिक क्लासरूम प्रशिक्षण के बाद अस्पतालों में ड्यूटी पर तैनात किया जाता है क्योंकि नर्सिंग की दक्षता केवल बाद क्लास रूम में नहीं सीखी जा सकती है ।

(ग) फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

नई दिल्ली और पटना के बीच सुपर फास्ट रेलगाड़ी

218. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार यात्रियों की सुविधा के लिए तिनसुकिया मेल को नई दिल्ली से होकर चलाने और पटना जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 922 सुपर-फास्ट रेलगाड़ी को नई दिल्ली से शाम के समय चलाने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या यह रेलगाड़ी केवल गाड़ी चलने के स्थान पर और समाप्त होने वाले स्थान के यात्रियों के लिए चलाई जा रही है या इन दोनों स्टेशनों के बीच पड़ने वाले स्टेशनों के यात्रियों के लिए भी है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) वर्तमान व्यवस्था के अनुसार असम के लिए तिनसुकिया मेल दिल्ली से शाम को तथा नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस नयी दिल्ली से सुबह रवाना होती है । परिचालनिक कारणों की वजह से तिनसुकिया मेल को नयी दिल्ली के रास्ते चलाना या 922 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस को शाम के समय रवाना करना व्यावहारिक नहीं है ।

(ख) मूल रूप से ये गाड़ियां उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को जाने वाले सीधे यात्रियों के लिए चलायी गयी हैं । तथापि मार्गवर्ती महत्वपूर्ण स्टेशनों के यात्रियों को भी ये सेवाएं उपलब्ध होती हैं ।

स्त्री रोगों के लिए महिला डाक्टर

220. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली नगर निगम तथा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों, जैसे इर्विन अस्पताल, कस्तूरबा गांधी अस्पताल, डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, इत्यादि में स्त्री रोगों की जांच के लिए महिला डाक्टरों के स्थान पर पुरुष डाक्टर तैनात किये गये हैं जिसके कारण उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, इत्यादि से जांच के लिए आने वाली महिलाएं पुरुष डाक्टरों से जांच कराने में अपनी बेइज्जती समझती हैं और बगैर जांच कराए वापस चली जाती हैं;

(ख) यदि हां, तो महिला रोगियों की जांच के लिए महिला डाक्टर तैनात न किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ग) दिल्ली नगर निगम और केन्द्र सरकार के प्रत्येक अस्पताल में महिला रोगियों की जांच करने वाले पुरुष डाक्टरों की संख्या कितनी है और इस संबंध में अस्पताल-वार ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी नहीं, तथापित, स्त्री रोग के लिए केवल महिला डाक्टरों को लगाना सम्भव नहीं है ।

(ख) इसका मुख्य कारण खासतौर से जूनियर रेजीडेंटों में महिला डाक्टरों का उपलब्ध न होना है ।

219. *[Transferred to the 14th November, 1986.)*